>

Title: Need to close the chemical industries in Nagda in Ujjain district, Madhya Pradesh posing serious threat to lives of the people.

श्री प्रेमचन्द गुड्डू (उज्जैन): मेरे संसदीय क्षेत्र के नागदा में स्थित लैक्सेस और ग्रेसिम दो उद्योग पर्यावरण मानकों के अनुसार नहीं हैं, ग्रेसिम उद्योग में जिंक टैक्नोलॉजी प्रयोग की जाती है। जिंक टैक्नोलॉजी की पर्यावरण मंत्रालय भी अनुमति नहीं देता क्योंकि यह पर्यावरण को बहुत प्रदूषित करती है और लैक्सेस उद्योग में क्लोरिन गैस का प्रयोग होता है जो हवा के सम्पर्क में आते ही विस्फोट करती है।

भोपाल त्रासदी होने से पहले स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को पत्र लिखे थे लेकिन प्रशासन ने उनके पत्रों को अनदेखा कर दिया था जिसका नतीजा देश के सामने है। मुझे इन दोनों उद्योगों में उसी महाविनाशकारी कांड की पुनरावृत्ति नजर आ रही है। मैंने इसकी शिकायत तत्कालीन माननीय मंत्री श्री जयराम रमेश जी से की थी। तदुपरांत मंत्री जी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केन्द्रीय एवं राज्य प्रदूषण बोर्ड की टीम भेजी थी। दोनों प्रदूषण बोर्डों ने माना है कि उद्योग में पर्यावरण की अनदेखी हो रही है और काफी अनियमितताएं हैं। उन कमियों को पूरा करने के लिए दोनों बोर्डों ने दिसम्बर, 2011 तक का टाईम दिया था लेकिन आज भी स्थिति जस की तस है। अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी चुप है और उद्योगों में मानव जीवन के साथ खिलवाड़ जारी है।

विगत एक वर्ष में क्लोरिन गैस का तीन-चार बार रिसाव हो चुका है। सैंकड़ों व्यक्ति प्रभावित होकर अस्पताल में भर्ती हुए एवं मेरे पास उनकी लिस्ट भी है। ग्रेसिम उद्योग का गन्दा पानी चम्बल नदी में डाला जा रहा है जिसने आसपास के 14 गांवों की जमीन का पानी इतना प्रदूषित कर दिया है कि भारत में ऐसी कोई तकनीक ही नहीं है जो इसे पशुओं के भी पीने लायक बना सके, मानव द्वारा उपयोग तो बहुत दूर की बात है। यहाँ के क्षेत्रीय नागरिक कैंसर से पीड़ित होते जा रहे हैं। मेहतवास क्षेत्र में 19 कैंसर के रोगी पाए गए हैं। मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि जब दोनों प्रदूषण बोर्ड इन उद्योगों में कमियाँ देख चुके हैं, वहां के नागरिक परेशान हैं, मेरे पत्र लिखने के बावजूद भी पर्यावरण मंत्रालय कुछ नहीं कर रहा है, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चुप है। तब ऐसी स्थिति में मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि इन दोनों उद्योगों को, जन-जीवन को बचाने के लिए तुंत बंद करवाया जाना चाहिए।